Today's Poem – 11.06.2014

हमें शरीर से अलग होकर बाप के पास जाना है

इसलिए अब शरीर को भूल जाना है

अभी ही हमें बाप से प्यार मिलता

जो की सारे कल्प में नहीं मिलता

सबको सुख का रास्ता बताना है

हदों से निकल बेहद में जाना है

बाप के प्यार की पालना लेने के लिए ज्ञानयोग में मज़बूत बनना-

दूसरों का चिन्तन न कर योगबल से अपनी आयु बढ़ाना

जो भी श्रेष्ठ कार्य करना है वह अभी करना है

इस स्मृति से कभी भी समय, संकल्प वा कर्म व्यर्थ नहीं गंवाना है

अब नहीं तो कभी नहीं

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!